Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 18-08-2006
Participants : Mollah Shri Hannan,Shaheen Shri Abdul Rashid,Verma Shri Ravi Prakash,Barq Shri Shafiqur Rahman,Dasmunsi Shri Priya Ranjan,Suman Shri Ramji Lal,Azmi Shri Iliyas

an>

Title: Submission regarding need to provide more facilities to Haj Pilgrims.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, हज यात्रियो की परेशानियों को देखते हुये मैं माननीय प्रधानमंत्री जी से 19 तारीख को मिला था और 4 अगस्त को हम लोग आपसे भी मिले थे। पिछली बार 1 लाख 6 हजार हज यात्रियों ने आवेदन किया था जबकि 82 हजार के लिये कोटा था, सरकार ने 18 हजार का कोटा बढ़ाया था। इसलिए. हज यात्रा के लिये एक लाख लोग गये थे। इस बार 1 लाख 48 हजार लोगों ने हज जाने के लिए आवेदन किया है लेकिन बेहद अफसोस की बात है कि केन्द्र सरकार के प्रतिनिधियों ने सऊदी अरब सरकार से बात नहीं की। पिछली सरकारों के समय में जितने भी आवेदन आते रहे हैं, उसी के मुताबिक सरकारें कोटा बढ़ाती रही है लेकिन बार बार कहने के बावजूद इस सरकार ने सऊदी अरब सरकार से बात नहीं की जो चिन्ता का विाय है।

अध्यक्ष महोदय, 15 मई, 2002 को जब हज एक्ट पास हो रहा था, उस समय मैंने मंत्री जी से निवेदन किया था कि किसी जमाने में लोग पानी के जहाज से हज यात्रा के लिये जाते थे, उस समय हज कमेटी का दफ्तर मुम्बई में था लेकिन हवाई यात्रा उपलब्ध रहने से कम से कम 100 सांसदों ने इस बात की मांग की कि इस का दफ्तर दिल्ली में होना चाहिये लेकिन सरकार ने इस ओर आज तक ध्यान नहीं दिया है। हज कमेटी को संवैधानिक अधिकार मिले, इस बात की मांग बार बार होती रही है लेकिन सरकार मौन है.। हज जाने वाले यात्रियो की सेवा के लिये हज वालॉटियर जाते हैं, राज्यों की हज कमेटी से बराबर यह मांग की जाती रही है कि इस मामले को राज्य सरकारों पर छोड़ दिया जाये कि उनकी इच्छा से लोग जायें लेकिन भारत सरकार ने यह पैगाम जारी कर दिया कि सरकारी कर्मचारी ही जायेंगे। यह निश्चित रूप से चिन्ता का विाय है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग लम्बे समय से आन्दोलन कर रहे हैं कि उन लोगो को हज यात्रा पर जाने में दिक्कतें होती हैं...(व्यवधान) बनारस से जाने के लिये हज यात्रियों को सुविधा दी जाए।

अध्यक्ष महोदय, एक निवेदन और करना चाहता हूं कि पिछली बार मीना में हादसा हुआ था जिसमें 62 हज यात्री शहीद हो गये थे। मुझे प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हज यात्रा में शहीद हुये लोगों को 5-5 लाख रुपये देने का काम किया लेकिन मेरे द्वारा बार बार आग्रह करने के बाद भी केन्द्र सरकार ने एक पैसा आज तक नहीं दिया है।

MR. SPEAKER: He has already said that. There is no need to repeat it.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं। हज यात्रियों की जो समस्या है, संसदीय कार्य मंत्री यहां बैठे हुये हैं, मैं उनसे निवेदन करूंगा कि इस समस्या को सुलझाने में वह पहल करें।

MR. SPEAKER: Shri Ravi Prakash Verma, Shri Ilyas Azmi, Shri Hannan Mollah, Dr. Shafiqur Rahman Barq and Shri Abdul Rashid Shaheen are associating with this.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): Mr. Speaker, Sir, the UPA Government is equally concerned with the Haj y*atris*. All possible arrangements had been made last year. This year also the Government is considering the matter. The Government is neither overlooking it nor ignoring it. Understanding the shortcomings of last year, appropriate steps would be taken by the concerned Ministries[KMR24].

MR. SPEAKER: You have got your response. Please cooperate.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Gangwar, you have to give notice. You have to follow rules. I cannot allow the second matter.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Then, I will have to adjourn the House.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The second is about allegations.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You know the rules very well. गंगवार जी, आप महमूदाबाद वाला मामला बोलिये। दूसरा मामला अगले दिन नोटिस देकर उठाइए।

श्री संतोा गंगवार (बरेली) : अध्यक्ष महोदय, यह जो विाय मैं आपके सामने ला रहा हूं, यह मैं पहले भी एक बार उठा चुका हूँ। उत्तर प्रदेश में महमूदाबाद स्टेट की एक संपत्ति लखनऊ और सीतापुर में है। इस संपत्ति के मालिक देश के बँटवारे के समय पाकिस्तान चले गए और वे उस समय तत्कालीन मुस्लिम लीग के कोाध्यक्ष थे। उनकी संपत्ति सरकार में निहित हो गई। सरकार ने उनकी संपत्ति को बेचकर उनको पैसा दे दिया और स्थानीय लोगों को आबंटित कर दिया। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि अभी 15-20 वर्ा पहले वह इस देश में आ गए, एक दल से जुड़ गए, दल से विधायक बन गए और न्यायालय में रिप्रजैन्ट करके फिर से उस संपत्ति को पा लिया। इस कारण करोड़ों अरबों रुपये की संपत्ति जो लखनऊ और सीतापुर के मुख्य स्थानों पर स्थित है, जहां सैकड़ों की तादाद में लोग रह रहे हैं और सरकारी दफ्तर हैं, उनको खाली कराने की कार्रवाई हो रही है। मैंने गृह मंत्री जी से आग्रह किया था कि इसके बारे में जानकारी प्राप्त करें। मैंने लिखकर दिया था कि सैकड़ों की तादाद में लोग बेघर हो रहे हैं। … (<u>व्यवधान</u>) माननीय मोहन सिंह जी उस समय आसन पर बैठे थे और उन्होंने इस बात को समझा था और इसके बारे में दिशा निर्देश भी दिये थे। मैं दोबारा आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि माननीय गृह मंत्री जी इस ओर ध्यान दें और उचित निर्णय दें।

अध्यक्ष महोदय : मोहन सिंह जी फिर आपकी मदद करेंगे।

<u>13.06 hrs.</u>